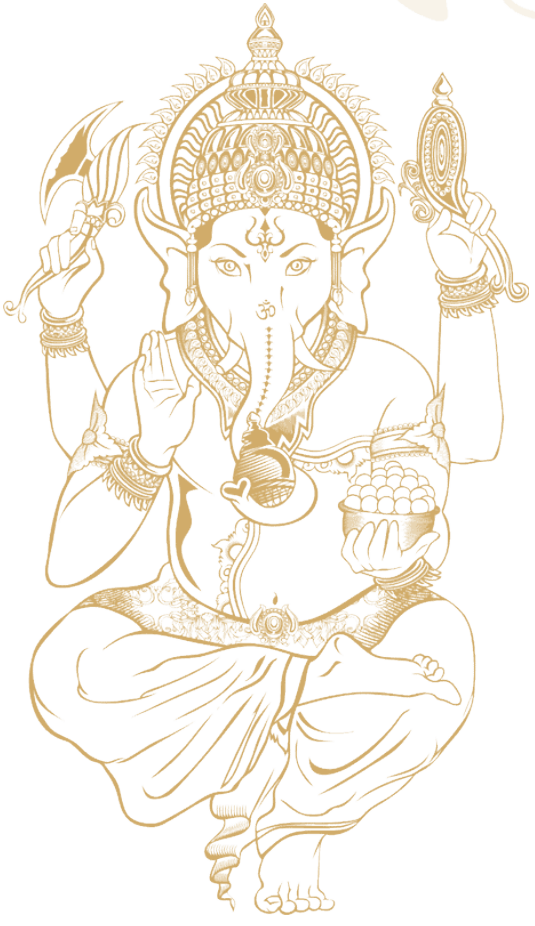

Sudhanshu bhardwaj

28 Sep 1994

12:00 AM

Toda

Model: web-freekundliweb

Order No: 120892004

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27-28/09/1994**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:00:00 घंटे**
इष्ट	44:13:21 घटी
स्थान	**Toda**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:00:00 उत्तर
रेखांश	75:28:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:28:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:31:52 घंटे
वेलान्तर	00:08:51 घंटे
साम्पातिक काल	23:57:07 घंटे
सूर्योदय	06:18:39 घंटे
सूर्यास्त	18:19:27 घंटे
दिनमान	12:00:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:37:47 कन्या
लग्न के अंश	16:33:28 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**आर्द्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वरियान
करण	बालव
गण	मनुष्य
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	कू-कुणाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:33:28	319:35:10	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	10:37:47	00:58:53	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	सम राशि
चंद्र			मिथु	07:53:00	12:08:31	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	02:15:44	00:34:53	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	नीच राशि
बुध			तुला	06:35:13	00:55:10	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
गुरु			तुला	20:39:32	00:11:30	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	20:03:53	00:29:51	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	13:21:05	00:03:47	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु			तुला	21:47:37	00:00:40	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु			मेष	21:47:37	00:00:40	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	28:36:32	00:00:13	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		धनु	26:47:37	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:15:36	00:01:40	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मीन	05:25:46	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:13

लग्न-चलित

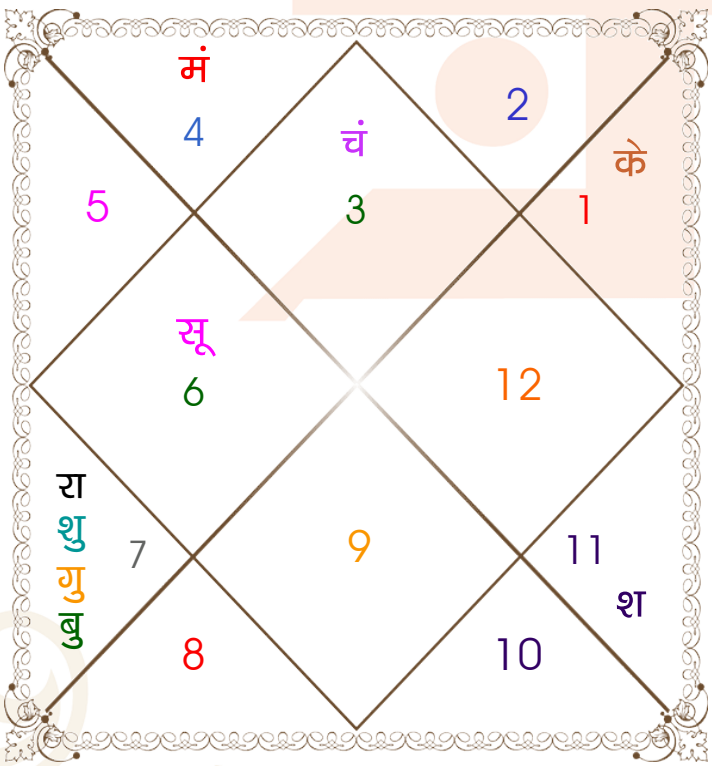

चन्द्र कुंडली

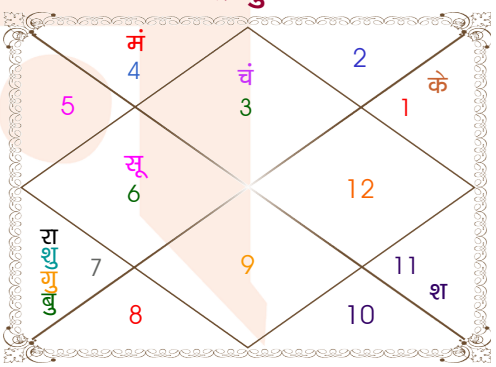

नवमांश कुंडली

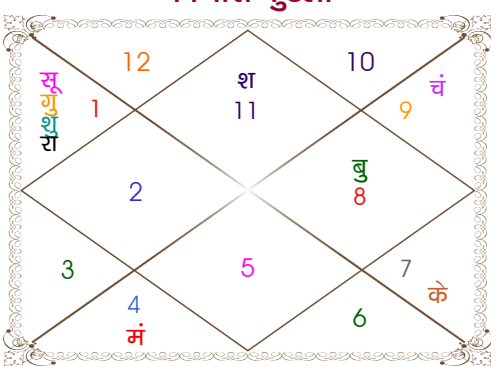

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 4 मास 8 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
28/09/1994		05/02/2011		05/02/2027		05/02/2046		05/02/2063	
05/02/2011		05/02/2027		05/02/2046		05/02/2063		05/02/2070	
राहु	19/10/1995	गुरु	25/03/2013	शनि	08/02/2030	बुध	03/07/2048	केतु	04/07/2063
गुरु	13/03/1998	शनि	07/10/2015	बुध	18/10/2032	केतु	01/07/2049	शुक्र	02/09/2064
शनि	17/01/2001	बुध	11/01/2018	केतु	27/11/2033	शुक्र	01/05/2052	सूर्य	08/01/2065
बुध	07/08/2003	केतु	18/12/2018	शुक्र	26/01/2037	सूर्य	07/03/2053	चंद्र	09/08/2065
केतु	24/08/2004	शुक्र	18/08/2021	सूर्य	08/01/2038	चंद्र	06/08/2054	मंगल	05/01/2066
शुक्र	25/08/2007	सूर्य	07/06/2022	चंद्र	10/08/2039	मंगल	04/08/2055	राहु	24/01/2067
सूर्य	19/07/2008	चंद्र	07/10/2023	मंगल	18/09/2040	राहु	20/02/2058	गुरु	31/12/2067
चंद्र	18/01/2010	मंगल	11/09/2024	राहु	26/07/2043	गुरु	28/05/2060	शनि	08/02/2069
मंगल	05/02/2011	राहु	05/02/2027	गुरु	05/02/2046	शनि	05/02/2063	बुध	05/02/2070

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
05/02/2070		05/02/2090		05/02/2096		06/02/2106		06/02/2113	
05/02/2090		05/02/2096		06/02/2106		06/02/2113		00/00/0000	
शुक्र	06/06/2073	सूर्य	25/05/2090	चंद्र	06/12/2096	मंगल	05/07/2106	राहु	29/09/2114
सूर्य	07/06/2074	चंद्र	24/11/2090	मंगल	07/07/2097	राहु	23/07/2107		00/00/0000
चंद्र	05/02/2076	मंगल	01/04/2091	राहु	06/01/2099	गुरु	28/06/2108		00/00/0000
मंगल	06/04/2077	राहु	24/02/2092	गुरु	08/05/2100	शनि	07/08/2109		00/00/0000
राहु	06/04/2080	गुरु	12/12/2092	शनि	07/12/2101	बुध	04/08/2110		00/00/0000
गुरु	06/12/2082	शनि	24/11/2093	बुध	08/05/2103	केतु	01/01/2111		00/00/0000
शनि	05/02/2086	बुध	30/09/2094	केतु	07/12/2103	शुक्र	02/03/2112		00/00/0000
बुध	06/12/2088	केतु	05/02/2095	शुक्र	07/08/2105	सूर्य	08/07/2112		00/00/0000
केतु	05/02/2090	शुक्र	05/02/2096	सूर्य	06/02/2106	चंद्र	06/02/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।